एस०टी०सी०, एम०एम०टी०सी० और पी० ई० सी० का पुनर्गठन

1149. **श्री विनोद शर्मा** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 24 मई, 1992 के "फाइनेनशियल एक्सप्रेस" में "गवर्नमेंट टू रीओरगेनाइज एस.टी.सी., एम.एम.टी.सी., पी.ई.सी." शीर्षक से छपे समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इन उपक्रमों को पुनर्गठित करने का निर्णय किया है ;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) इन उपक्रमों के पुनर्गठन के परिणामस्वरूप इनकी भावी रूप रेखा किस तरह की होने की संभावना है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप (मंत्री श्री सलमान खुर्शीद) : (क) जी हां ।

(ख) से (घ) एस.टी.सी., एम.एम.टी.सी. और पी.ई.एल. को मिलाकर या अन्य प्रकार से पुनर्गठित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है । तथापि अधिसंख्य निर्यात और आयात मदों के असरणीयन के परिणाम-स्वरूप इन निगमों ने अपने सामूहिक उद्देश्यों को पुनः सूत्रबद्ध किया है । जिससे कि वे मुख्यतः असरणीयकृत व्यापार पर आधारित प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापारिक घराने बन सकें ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान चाय का उत्पादन

1150. **श्री राम नरेश यादव** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान चाय के उत्पादन में वृद्धि के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है और इस उत्पादन का कितना प्रतिशत निर्यात किया जाएगा और इससे सातवीं पंचवर्षीय योजना अवधि की तुलना में कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित होने की संभावना है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : चाय बोर्ड ने आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान उत्पादन और निर्यात के लक्ष्य तथा निर्यात की प्रतिशतता निर्धारित की है जो निम्नानुसार हैं :—

(आंकड़े मि० कि०ग्रा०)

वर्ष	लक्ष्य		निर्यात की प्रतिशतता
	उत्पादन	निर्यात	
1992–93	765	221	28.89
1993–94	791	226	28.57
1994–95	818	232	28.36
1995–96	846	237	28.01
1996–97	874	243	27.80